



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 158]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 8, 2010/ज्येष्ठ 18, 1932

No. 158]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 8, 2010/JYAISTHA 18, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून 2010

(मध्यावधि समीक्षा)

**विषय:** सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कास्टिक सोडा के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत।

**सं.15/2/2010-डी जी ए डी** यतः समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने सऊदी अरब, ईरान, जापान, यू एस ए तथा फ्रांस के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित कास्टिक सोडा (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हुए दिनांक 01.08.2006 की अधिसूचना सं० 15/29/2004-डी जी ए डी के तहत अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे।

और यतः सऊदी अरब, ईरान, जापान, यू एस ए तथा फ्रांस से संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 13.09.2006 की सी.शु. अधिसूचना सं. 98/2006-सी.शु. के तहत लगाया गया था।

और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन गण और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से आयातित "कास्टिक सोडा" (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हुए दिनांक 21.11.2008 की अधिसूचना सं० 15/11/2007 - डी जी ए डी द्वारा अपने निर्णायक समीक्षा जांच परिणाम अधिसूचित किए थे।

और यतः चीन जन गण और कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 26.12.2008 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 137/208 - सी.शु. द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

मेसर्स अल्कली मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली ने सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य (जिन्हें एतदपश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित कास्टिक सोडा के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की आवश्यकता का प्रमाण देते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है ।

## 2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रॉक्साइड है, जिसे सामान्यतः कास्टिक सोडा (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) कहा जाता है । कास्टिक सोडा एक अकार्बनिक रसायन है और यह साबुन जैसा, अत्यन्त क्षारीय, गंधहीन रसायन होता है एवं इसका प्रयोग लुगदी तथा कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यार्न, एल्युमीनियम, कॉटन, कपड़े धोने के साबुन, डिटर्जेंट, डाइस्टफ, औषधियों एवं भेषजों के विनिर्माण, पेट्रोलियम शोधन आदि में किया जाता है । कास्टिक सोडा दो रूपों में उपलब्ध है अर्थात् लेई एवं ठोस रूप में । वर्तमान जांच में कास्टिक सोडा के सभी रूप शामिल हैं ।

कास्टिक सोडा आई टी सी (एच एस) कोड 2815.11 तथा 2815.12 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य हैं ।

## 4. घरेलू उद्योग

अल्कली मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया अर्थात् आवेदक सम्बद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादकों का एक एसोसिएशन है और इसने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन प्रस्तुत किया है । वर्तमान जांच से संबंधित सूचना भागीदार उत्पादकों की ओर से उपलब्ध कराई गई है । आवेदक कंपनियों का उत्पादन और याचिका का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाली कंपनियों का उत्पादन कुल मिलाकर जांच अवधि के दौरान कुल भारतीय उत्पादन का 64.81% बनता है । अतः प्राधिकारी उपर्युक्त पाटनरोधी नियमावली के अनुसार भागीदार उत्पादकों को घरेलू उद्योग मानने का प्रस्ताव करते हैं, जिनका भारत में "समान वस्तु" के उत्पादन में प्रमुख अनुपात है ।

## 5. समीक्षा के आधार

आवेदक ने दावा किया है कि परिस्थितियों में पर्याप्त परिवर्तन हो गया है, जिनके तहत, लागू पाटनरोधी उपायों की समीक्षा अपेक्षित है ।

सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य से इस समय किए जा रहे निर्यातों से संबंधित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, पिछली जांच के समय निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से पर्याप्ततः अधिक है। आवेदक ने दावा किया है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि की जानी अपेक्षित है। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद सम्बद्ध देशों से किए गए आयात निरपेक्ष रूप में अत्यधिक हैं। सम्बद्ध देशों से इस उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री की जा रही है। याचिकाकर्ता ने तर्क प्रस्तुत कि है कि उत्पादन लागत में इतना अधिक परिवर्तन हुआ है कि शुल्क के बेंचमार्क रूप को जारी रखना उचित नहीं है। तथापि इसे मौजूदा शुल्कों की समीक्षा के जरिए किया जा सकता है।

इस प्रयोजनार्थ आवेदक ने इस समीक्षा जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, पहुँच कीमत, उत्पादन लागत, क्षति रहित कीमत का अन्य संबंधित सूचना सहित पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया है।

## 6. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु की घरेलू कीमतों से संबंधित आंकड़ों पर विश्वास किया है जिन्हें हैरीमन केमसल्ट से प्राप्त किया गया है, जो विभिन्न रसायनों की बाजार प्रवृत्तियों एवं कीमत निर्धारण से संबंधित एक अग्रणी परामर्शदाता कंपनी है और यह विश्व के विभिन्न भागों में कास्टिक सोडा की कीमतों का प्रकाशन करती है। जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर प्रथम दृष्ट्या विचार किया है, जिसका दावा आवेदक ने किया है।

## 7. निर्यात कीमत

आवेदक ने निर्यात कीमतों का दावा आई बी आई एस से सम्बद्ध देशों के बारे में प्राप्त सौदे वार आयात आंकड़ों के आधार पर किया है। कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमें, टी एच सी प्रभार, अंतर्देशीय मालभाड़े तथा कमीशन के संबंध में समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को सम्बद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की निवल निर्यात कीमत का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य माना है।

## 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंध के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्डों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति के बारे में सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की वर्धित मात्रा, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के कारण क्षमता उपयोग में गिरावट, नियोजित पूंजी से नकारात्मक आय एवं लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट के रूप में साक्ष्य उपलब्ध कराया है। आवेदक को हो रही वास्तविक क्षति का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त प्रमाण मौजूद है और यह सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हो रहा है।

**9. जाँच शुरूआत**

सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 एवं उसके तहत बनाई गई पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की गई है।

अल्कली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया नई दिल्ली ने सऊदी अरब, यू एस ए तथा कोरिया गणराज्य के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता का प्रमाण देते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। समीक्षा की आवश्यकता को परिवर्तित परिस्थितियों के आधार पर सिद्ध किया गया है, जिसके दौरान पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में पिछली जाँच के समय की तुलना में परिवर्तन हुआ है एवं तदनुसार याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने का अनुरोध किया है।

इस बात से स्वयं को संतुष्ट करते हुए कि आवेदक ने समीक्षा की आवश्यकता का प्रमाण देते हुए प्रथम दृष्टया पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है, निर्दिष्ट अधिकारी का यह मानना है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 9 क (5) के प्रावधान के अंतर्गत अब पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा उचित है। तदनुसार प्राधिकारी यह समीक्षा करने के लिए कि क्या सऊदी अरब, यू एस ए एवं कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित "कास्टिक सोडा" के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को इस समय संशोधित किया जाना अपेक्षित है, उपर्युक्त अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में एतद्वारा जाँच की शुरूआत करते हैं।

**10. प्रक्रिया**

समीक्षा जाँच में दिनांक 1.8.2006 की अधिसूचना सं० 15/29/2004 - डी जी ए डी तथा दिनांक 21.11.2008 की अधिसूचना सं० 15/11/2007-डी जी ए डी के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

**11. जाँच अवधि**

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 अक्टूबर, 2008 से 31 दिसम्बर, 2009 (15 माह) है। तथापि क्षति विश्लेषण में अप्रैल 2006 - मार्च 2007, अप्रैल 2007-मार्च, 2008, 2008-09 तथा जाँच अवधि शामिल होगी।

**12. सूचना प्रस्तुत करना**

संबद्ध देश के निर्यातकों एवं आयातकों तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से लिखा जा रहा है। अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी वर्तमान जाँच में भाग ले सकता है और निम्नलिखित को लिख सकता है:-

**निर्दिष्ट प्राधिकारी**

**(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)**

**भारत सरकार**

**वाणिज्य विभाग**

**उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011**

**13. समय-सीमा**

वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना लिखित में भेजा जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस समीक्षा अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन से पूर्व पहुँच जाने चाहिए। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

**14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे हुए हैं।

सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(2) के अनुसार प्रदत्त गोपनीय सूचना का गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश नियम 7(1) के अनुसार उपलब्ध कराएंगे।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE**

(Department of Commerce and Industry)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th June, 2009

(Mid Term Review)

**Sub:- Initiation of Mid Term Review of anti-dumping duty on imports of Caustic Soda originating in or exported from Saudi Arabia, USA and Korea RP.**

**No.15/2/2010-DGAD-** Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), vide Notification Number 15/29/2004 DGAD dated 01.08.2006, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified its sunset review findings recommending continued imposition of antidumping duty on import of Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Saudi Arabia, Iran, Japan, USA and France.

And whereas, the antidumping duty was imposed on the imports of subject goods vide Customs Notification No. 98/2006-Customs, dated 13.09.2006 on Saudi Arabia, Iran, Japan, USA and France

Further, whereas, vide Notification Number 15/11/2007 DGAD dated 21.11.2008, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified its sunset review findings recommending continued imposition of antidumping duty on import of 'Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Korea RP

And whereas, the antidumping duty was imposed on the imports of subject goods vide Customs Notification No. 137/2008 - Customs dated 26.12.2008 on China PR and Korea RP.

Alkali Manufacturers' Association of India, New Delhi have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority), substantiating the need for review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Saudi Arabia, USA and Korea RP (hereinafter referred as subject countries).

## **2. Product under Consideration**

The product under investigation in the present case is Sodium Hydroxide commonly known as Caustic Soda (also referred to as subject goods hereinafter), originating in or exported from Saudi Arabia, USA and Korea RP. Caustic Soda is an inorganic chemical and is soapy, strongly alkaline, odourless chemical and finds application in manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, aluminum, cotton, laundry soaps, detergent, dyestuffs, drugs and pharmaceuticals, petroleum refining, etc. Caustic Soda is available in two forms i.e. Lye and solids. The present investigation covers all forms of Caustic soda.

Caustic Soda is classified under ITC(HS) Codes 2815.11 and 2815.12. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

## **3. Countries involved**

The countries involved in the present investigation are Saudi Arabia, USA and Korea RP.

## **4.Domestic Industry**

Alkali Manufacturers' Association of India, New Delhi i. e. the applicant, is an association of Indian Producers of the subject goods and has filed the application on behalf of the domestic industry. Relevant information to the present investigation has been provided on behalf of participating producers. The production of the applicant companies and that of companies expressing support for the petition, taken together, account for 64.81% of total Indian production during the POI. The Authority proposes to consider the participating producers, who account for a major proportion of the production of the 'Like Article' in India, as domestic industry in accordance with the AD Rules supra.

## **5. Grounds for Review**

The applicant has claimed that the circumstance have changed substantially requiring a review of anti dumping measures in force.

The dumping margin and injury margin in respect of the imports that are being made at present from Saudi Arabia, USA and Korea RP are substantially higher than the

dumping margin and injury margin determined at the time of last investigation. The applicant claims that the anti dumping duty is required to be enhanced to account for the increase in the dumping margin and injury margin. In spite of current anti dumping duties, imports from subject country have remained significant in absolute terms. The imports of the product from subject country are undercutting and underselling the prices of the domestic industry. The petitioner contends that since the cost of production has varied significantly, it may not be appropriate to continue with benchmark form of duty. However, the change in the form of duty can be done only through a review.

For this purpose, the applicant has provided sufficient prima facie evidence of normal value, export price, dumping margin, landed price, cost of production, non-injurious price, along with other relevant information to justify initiation of this review investigation.

#### **6. Normal Value**

For the purpose of normal value, the petitioner has relied upon the data relating to domestic prices of the subject goods in subject countries, sourced from Harriman Chemsult, which is a leading international consulting company in market trends and pricing in various chemicals and which publishes prices of Caustic Soda in different parts of the world. For the purpose of initiation, the Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in subject countries as claimed by the petitioner.

#### **7. Export Price**

Applicant have claimed export prices on the basis of transaction-wise import data in respect of subject countries obtained from IBIS. Adjustments have been claimed on ocean freight, marine insurance, THC charges, inland freight and commission to arrive at the export price at ex-factory level. The Authority considers the said data furnished by the petitioner as sufficient prima facie evidence of the net export price of the subject goods from the subject countries for the purpose of initiation.

#### **8. Injury and Causal Link**

For the purpose of Injury analysis and Causal Link, the petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in capacity utilization and negative return on capital employed and substantial decline in profitability because of increased volume of dumped imports, price undercutting and price underselling from the subject countries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicant and the same is being caused by dumped imports from subject countries.

2196 GE/10-3

## **9. Initiation**

The Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and the AD Rules made thereunder require the Authority to review from time to time the need for continuance of anti-dumping duty.

Alkali Manufacturers Association of India, New Delhi has filed an application substantiating the need for Mid-Term review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Saudi Arabia, USA and Korea RP. The need for review has been established on the ground of changed circumstances, in which dumping margin and injury margin have changed since the last investigation and, accordingly, the petitioner have requested for enhancement of the anti-dumping duty imposed on subject goods.

Having satisfied itself that the applicant has produced sufficient prima facie information substantiating the need for a review, the Designated Authority considers that the mid-term review of the anti dumping duty would be appropriate at this stage under the provision of Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of the AD Rules. Accordingly, the Authority hereby initiates investigation, in accordance with the Act and the AD Rules, to review whether existing antidumping duty on imports of 'Caustic Soda' originating in or exported from Saudi Arabia, USA and Korea RP is required to be modified at this stage.

## **10. Procedure**

This review investigation covers all aspects of Notification No. 15/29/2004 DGAD dated 01.08.2006 and Notification No. 15/11/2007 DGAD dated 21.11.2008.

## **11. Period of Investigation**

The period of investigation (POI) is 1<sup>st</sup> October, 2008 to 31<sup>st</sup> December 2009 (15 months) for the purpose of present investigation. The injury investigation will however cover the periods April,2006–March,2007, April,2007–March,2008, 2008-09 and the POI.

## **12. Submission of information**

The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority**  
**(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)**  
**Government of India**  
**Ministry of Commerce & Industry**  
**Department of Commerce**  
**Udyog Bhavan, New Delhi-110011.**



**13. Time limit**

Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of initiation of this review investigation. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

**14. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

All interested parties shall provide a confidential and a non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

R.K. CHAUDHARY, Designated Authority